राजस्थान में ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम : एक अध्ययन

डॉ० बलबीर सिंह

सहायक आचार्य (राजनीति विज्ञान), जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं-341306 (राजस्थान)

आलेख सार

हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी का यह विचार काफी प्रभावषाली रहा है कि व्यक्ति के कल्याण में स्वतन्त्रता से भी महत्वपूर्ण स्वच्छता है। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन निवास करता है। इसी अवधारणा का आधार यह भी है कि स्वास्थ्य का सीधा सम्बन्ध स्वच्छता से है। स्वच्छता को बनाये रखना प्रत्येक व्यक्ति समाज एवं राष्ट्र का मौलिक प्रयोजन होना चाहिए। स्वच्छता को बनाये रखने एवं बढ़ावा देने के लिए सरकारी एवं गैर सरकारी स्तर पर समय-समय प्रयास किये जाते रहे हैं। हमारे अतीत की ओर झांकने का प्रयास करे तो शासन का स्वरूप चाहे कुछ भी रहा हो लेकिन शासकों ने स्वच्छता को बढ़ावा देने का प्रयास किया है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् भी हमारे देश में केन्द्र एवं राज्य सरकारे दोनों ही इस हेतु अनेक योजनाओं का क्रियान्वयन करती आ रही है। राजस्थान में भी राज्य सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार की स्वच्छता सम्बन्धी योजनाएं एवं अभियान चलाये गये हैं, जिनका विश्लेषण एवं अवलोकन किया जाना समीचीन है।

मूल शब्द : स्वच्छता अभियान, स्वयंसेवी संस्थाएं, ग्रामीण स्वच्छता, स्वच्छता कार्यक्रम, स्वच्छ भारत अभियान।

प्रस्तावना

स्वास्थ्य एवं स्वच्छता दोनो आपस में जुड़े हुए पहलू है, जिन्हें प्राप्त करने के लिए प्रत्येक शासन सत्ता प्रयासरत रहती है। भारत में भी इस हेतु केन्द्र तथा राज्य स्तर पर अनेक प्रयास किये गये हैं। राजस्थान में राज्य सरकार द्वारा इस दिशा में किये गये प्रयासों एवं चालू किये गये कार्यक्रमों का अवलोकन एवं विश्लेषण करना आवश्यक है। राजस्थान सरकार केन्द्र सरकार के दिशा निर्देश एवं सहयोग से कई कार्यक्रम एवं अभियान चलाकर स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु प्रयासरत है। पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय के सहयोग से राजस्थान में अनेक अभियान चलाये गये हैं। विशेष रूप से भारत को खुले में शौच से मुक्त कराना स्वच्छता मिशन का मुख्य लक्ष्य रहा है। इस हेतु सरकारी स्तर पर व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालय भी जन-जन को उपलब्ध करवाये गये हैं जो कि ग्रामीण स्वच्छता के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अध्ययन का उद्देश्य :

- स्वच्छता की अवधारणा के महत्व को जनमानस के समक्ष रखना।
- स्वच्छता के लाभों की जानकारी नागरिकों तक पहुंचाना।
- स्वच्छता हेतु चलाये गये अभियानों एवं कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान करना।
- ग्रामीण स्वच्छता की आवश्यकता एवं इसकी क्रियान्विति के प्रयासों की जानकारी प्रदान करना।
- ग्रामीण स्वच्छता में राज्य सरकार की भूमिका एवं योगदान का अवलोकन करना।
- ग्रामीण स्वच्छता की भावी संभावनाओं पर प्रकाश डालना।

अध्ययन पद्धति :

उपरोक्त विषय के अध्ययन एवं अवलोकन हेतु विश्लेषणात्मक व तुलनात्मक अध्ययन पद्धति के प्रयोग पर बल दिया गया है। अनेक सहायक स्रोतों का सहारा लिया गया है और तल:स्पर्शी अध्ययन करने का एक प्रयास किया गया है।

ग्रामीण स्वच्छता मिशन

अनेक कार्यक्रम एवं अभियानों के माध्यम से ग्रामीण स्वच्छता को बढ़ावा देने का प्रयास राज्य सरकार द्वारा किया गया है। वर्ष 1999-2000 में राजस्थान सरकार द्वारा एक अभियान चलाकर "सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान" की शुरूआत चार जिलों में की गई। इस अभियान की क्रियान्विति में भारत सरकार के पेयजल मंत्रालय का विशेष योगदान रहा। राजस्थान में इस कार्यक्रम की राज्य के सभी जिलों में 2005-06 से क्रियान्विति की गई है। 1 अप्रैल, 2012 से इस अभियान का नाम बदलकर "निर्मल भारत अभियान" कर दिया गया है। राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री ने महात्मा गाँधी की 150वीं वर्षगाठ तक भारत को खुले में शौच से मुक्त करना लक्ष्य रखा था। इसे प्राप्त करने में सरकार काफी सफल भी रही है।

ग्रामीण स्वच्छता हेतु किये गये सरकारी प्रयास :

- **निर्मल भारत कार्यक्रम :** भारत सरकार खुले में शौच मुक्त तथा पुर्णतया स्वच्छ पंचायती राज संस्थाओं को पुरस्कृत करने के लिए निर्मल भारत अभियान कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इस हेतु संस्थाओं को प्रोत्साहित करने हेतु निर्मल ग्राम पुरस्कार प्रोत्साहन योजना की शुरूआत की गई है। राजस्थान में भी राज्य सरकार द्वारा इस कार्यक्रम की क्रियान्विति करके अनेक ग्राम पंचायतों को निर्मल पंचायतें घोषित कर ग्रामीण स्वच्छता को बढ़ाया देने का प्रयास किया गया है।
- **ठोस एवं तरल कचरा प्रबन्धन :** निर्मल ग्राम पुरस्कार से पुरस्कृत ग्राम पंचायतों या 70 प्रतिशत तक खुले में शौच से मुक्त हो चुकी ग्राम पंचायतों में ठोस एवं तरल कचरा प्रबन्धन हेतु पंचायत में निवास करने वाले परिवारों की संख्या क्रमशः 150/300/500 या 500 से अधिक होने पर ग्राम पंचायतों को क्रमशः सात लाख/बारह लाख/पन्द्रह लाख/बीस लाख की राशि उपलब्ध करवाये जाने का प्रावधान है। राजस्थान सरकार भी इस दिशा में काफी प्रयासरत है।
- **सामुदायिक स्वच्छता परिसर :** केन्द्र सरकार की इस योजना के अन्तर्गत जहां पारिवारिक शौचालय के निर्माण के लिए जगह की कमी हो वहां सामुदायिक रूप से शौचालय निर्माण का भी प्रयास किया जाता है। राजस्थान में भी इस दिशा में राज्य सरकार की सराहनीय भूमिका रही है।
- **व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालय :** ग्रामीण क्षेत्रों में व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालय के निर्माण एवं खुले में शौचमुक्त भारत अभियान में राज्य सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और बी.पी.एल./अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/लघु एवं सीमान्त किसानों/भूमिहीन श्रमिकों/शारीरिक रूप से विकलांग एवं महिला मुखिया परिवारों के लिए राजस्थान सरकार ने इस दिशा में अनेक सुविधाएं प्रदान कर ग्रामीण स्वच्छता को बढ़ावा देने का प्रयास किया है।
- **राजस्थान स्वस्थ भारत मिशन :** राजस्थान में स्वच्छ भारत मिशन शौचालय योजना 2020 के अन्तर्गत सभी घरों में सरकार द्वारा शौचालय बनवाये जायेंगे।

राजस्थान में ग्रामीण स्वच्छता मिशन में प्रमुख क्रियान्विति :

- दिनांक 01-15 अक्टूबर, 2017 तक स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन।
- स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण कार्यक्रम प्रगति की समीक्षा हेतु विड़ियों कॉन्फेन्सिंग का आयोजन।
- 25 सितम्बर से 11 अक्टूम्बर, 2015 तक राष्ट्रीय स्वच्छता जागरूकता अभियान का आयोजन।
- स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्रोत्साहन राशि का प्रावधान।
- सम्बल गांवों में व्यक्तिगत शौचालय बनवाने में राज्य सरकार की सहभागिता।
- पारिस्थितिकी रूप से सुरक्षित एवं स्थाई स्वच्छता के लिए लागत प्रभावी संगत प्रौद्योगिकीयों को बढ़ावा देने पर बल।
- घरेलू कचरे के संकलन एवं सुरक्षित निपटान हेतु कम्पोस्ट/वर्मी कम्पोस्ट बनाना, बायोगेस सयंत्र बनाना एवं सामुदायिक स्वच्छता परिसरों को बढ़ावा देना।

निष्कर्ष

राजस्थान सरकार द्वारा ग्रामीण स्वच्छता को बढ़ावा देने एवं स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करने के लिए सरकारी स्तर पर अनेक योजनाएं लागू की गई है। इन योजनाओं के माध्यम से सरकार ने कुछ लक्ष्यों का निर्धारण करके उन्हें प्राप्त करने का प्रयास भी किया है। भारत में ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रमों की क्रियान्विति में राजस्थान सरकार का योगदान अच्छा रहा है। अतः राजस्थान सरकार ग्रामीण स्वच्छता मिशन में अपनी रूचि एवं सहभागिता को बढ़ावा देकर राष्ट्रीय कल्याण एवं उत्थान में अपनी सकारात्मक भूमिका का निर्वहन कर रही है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. सिंह, एम.के., (2017) स्वच्छ भारत अभियान, सोलर बुक्स हाउस,
2. शर्मा, कुमार राकेश "पर्यावरण प्रशासन एवं मानव पारिस्थितिकी (2012), राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
3. शर्मा, दीप्ति, कुमार महेन्द्र, "पर्यावरण विश्व कोश" (2009), अर्जुन पब्लिशिंग हाऊस, दरियागंज, नई दिल्ली
4. सिंह, महीप "पर्यावरण प्रौद्योगिकी" (2008), शिवांक प्रकाशन, नई दिल्ली

Websites

- www.rajasthanrajpanchayat.rajasthan.gov.in
- https:eesbm.gov.
- hi.vikipidia.in